



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

RECEIVED
OFFICE OF THE
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI
17/6/1991

सं. 115] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 7, 1991/ज्येष्ठ 17, 1913
No. 115] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 7, 1991/JYAISTHA 17, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 7 जून, 1991

सार्वजनिक सूचना संख्या 14—ई टी सी (पी एम.) / 91

विषय:—गैर-बासमती चावल का निर्यात

फा. सं. 40 (25) 91—ई-2—सन्दर्भ:—आयात-निर्यात, धीमि,
1990-93 (खंड-2) के भाग "ख" की सूची 2 क्रम संख्या 4 (1)

प्रयोजन:—2. उक्त पुस्तक के खण्ड-1 के पैराग्राफ 31—33
में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार गैर बासमती चावल
का निर्यात सीमित सीलिंग के अन्तर्गत अनुमित
है। इस अधिसूचना का उद्देश्य उक्त सीति
पुस्तक के खण्ड 1 के पैरा 13(3) की शर्तों के अनुसार
आवृत्तियों के लिए रिलीज की गई सीलिंग की
सीमाओं के अनुसार गैरबासमती चावल के निर्यात
के लिए निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया निर्धारित करना है।

विशेष प्रक्रिया:— 3. (क) गैर बासमती चावल के निर्यात
की सीलिंग रुपि और संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात
विकास प्राधिकरण नई दिल्ली (ए) पी. ई. डी. ए)
को सौंपी जाती है।

ठेकों का पर्जाकरण करने के लिए अधिकरण

3. (ख) (1).—निर्यातकों को ए पी ई डी ए के साथ
100 प्रतिशत अपरिवर्तनीय साख पत्रों द्वारा समर्थित अपने
ठेकों का पर्जाकरण होगा।

(2) 6,000 रुपये प्रति मीटरी टन की न्यूनतम निर्यात
कीमत (जहाज पर्यन्त निशुल्क) वसूल की जाए।

(3) ए. पी. ई. डी. ए इस सार्वजनिक सूचना के जारी
होने की तारीख से 15 दिन के बाद सीलिंग को सोवियत
संघ को छोड़कर सभी अनुमेय गन्तव्य स्थानों के लिए
भाव्य करेगा।

(4) संबंधित निर्यात निरीक्षण अधिकरणों द्वारा अनिवार्य लाक्षण
पूर्व निरीक्षण करने के बाद गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति
दी जाएगी।

(5) उक्त शर्तों को पूरा किया जाने पर ए पी ई डी ए निर्यातकों को पहले आओ पहले पाओ आधार पर सीलिंग पंचिया जारी करेगा जिसमें पूर्ण ब्योरा दिया जाएगा जैसे निर्यातकों के नाम निर्यात आदेश डेके तथा अपरिवर्तनीय माखपत्र की संख्या और तारीख अनुमित मात्रा जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य और गन्तव्य स्थान।

3(ग) लाइसेंसों का निर्गम :—ए पी ई. डी. ए. संबंधित पत्तन लाइसेंसिंग प्राधिकारी को सीलिंग पंचिया भेजेगा जो ए पी. ई. डी. ए से इसकी प्राप्ति हो जाने पर 48 घंटों के अन्दर निर्गम की तारीख से 3 माह की वैधता सहित या लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च तक, इनमे से जो भी पहले हो, के लिए निर्यात लाइसेंस जारी करेगा।

3(घ) पंजीकरण की अंतिम तारीख :—डेकों का पंजीकरण लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च के बाद नहीं किया जाएगा नाही सीलिंग की मात्रा अपर्युक्त रह जाने की स्थिति में ए पी ई डी ए द्वारा 31 मार्च, 1992 के बाद निर्यात की अनुमति दी जाएगी।

वाणिज्य कार्यवाई—4. निर्यातक आवंटित की गई सीलिंग की मात्रा का पूरा पूरा निर्यात करने का प्रयत्न करेंगे। तथापि यदि कोई निर्यातक आवंटित की गई पूरी मात्रा का निर्यात करने में असफल रहता है, तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी अग्रान निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 तथा उसके अधीन दिए गए आदेशों के तहत लागू होने वाली ऐसी उचित कार्यवाई करेंगे जिससे कि निर्यातक उस सामग्री के लिए आगे निर्यात लाइसेंस प्राप्त न कर सके।

अनुश्रवण (मानिटरींग) 5 निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करना : निर्यातकों को पोतलवान की तारीख से 15 दिनों के अन्दर या निर्यात लाइसेंस समाप्त होने की तारीख से 15 दिनों के अन्दर ए पी ई डी ए तथा संबंधित पत्तन लाइसेंसिंग प्राधिकारी को निर्यातों के ब्योरे से संबंधित एक रिपोर्ट भेजना आवश्यक है ऐसा न करने की स्थिति में उनका निर्यात शून्य माना जाएगा तथा निर्यात नीति 1990-93 की धारा 1 के पैरा 33 की शर्तों अनुसार कार्यवाई की जाएगी।

(2) ए पी. ई. डी ए द्वारा :—ज्योंही सीलिंग समाप्त हो जाए ए पी ई डी ए वाणिज्य मंत्रालय, ई पी. (कृषि-2) अनुभाग की इसकी सूचना भेजेगा।

(3) ए पी ई डी ए वाणिज्य मंत्रालय, ई पी (कृषि-2) अनुभाग को पूरा ब्योरा देने हुए जैसे कि निर्यातक का नाम, अनुमित मात्रा, जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य तथा गन्तव्य स्थान संबंधी एक मालिक विवरण भेजेगा जिसकी एक प्रति इस कार्यालय के सचिवकी निदेशक को भी भेजी जाए।

6. यह सार्वजनिक सूचना लोकहित में जारी की गई है।

हस्ताक्षर

डी. आर. मैहता, मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 7th June, 1991

PUBLIC NOTICE No. 14-ETC (PN)/91

Subject : Export of Non-basmati Rice.

F. No. 40(25)/91/E-II.—REFERENCE :—1. Serial Number 4(i), List-2 of Part 'B' of Import and Export Policy, 1990-93, (Vol. II).

PURPOSE:-2. Export of Non-basmati Rice is allowed within a limited ceiling as per the procedure laid down in paragraphs 31—33 of Section I of the said Book. The purpose of this Notification is to lay down the following special procedure for the export of Non-basmati Rice as per the ceiling limits released for the current year, in terms of Para 13(3) of Section I of the said Policy Book.

SPECIAL PROCEDURE:-3. (a) The ceiling for export of Non-basmati Rice is placed at the disposal of Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority, New Delhi (APEDA).

AGENCY FOR REGISTRATION OF CONTRACTS:

3. (b) (i) The exporters are required to register their contracts backed by 100% Irrevocable Letters of Credit with APEDA.

(ii) MEP of Rs. 6,000 per M.T. (f.o.b.) be realised.

(iii) APEDA will allocate the ceiling after 15 days from the date of issue of this Public Notice to all permissible destinations except to USSR.

(iv) Export of Non-basmati Rice shall be allowed after compulsory pre-shipment inspection by the concerned Export Inspection Agencies.

(v) APEDA will issue ceiling slips to the exporters, on fulfilment of the said conditions, on first-come, first-served basis, indicating full particulars such as the name of the exporters, number and date of Export Order/Contract and Irrevocable Letter of Credit, quantity allowed, f.o.b. value and the destination.

3. (c) ISSUE OF LICENCES: APEDA shall send the ceiling slips to the concerned Port Licensing Authority, who on receipt of the same from APEDA, shall issue within 48 hours export licence with validity of three months from the date of issue or upto 31st March of licensing year, whichever is earlier.

3. (b) **LAST DATE OF REGISTRATION:** Registration of contracts will not be made after 31st March of the licensing year nor any export will be allowed by APEDA after 31st March, 1992, even if the quantity of the ceiling remains unutilised.

PENAL ACTION: 4. Exporters shall endeavour to export the quantity of ceiling allotted to them in full. However, if any exporter fails to export the full quantity allocated, then the licensing authorities will take such action as they deem fit under the Imports and Exports (Control) Act, 1947, and Orders made thereunder, including action to debar the exporter from receiving further export licences for the same commodity, subject to the procedure laid down in the Act and Orders.

5. (i) **FURNISHING OF REPORT BY EXPORTERS:** Exporters are required to furnish a report regarding details of exports to APEDA and the concerned Port Licensing Authority within 15 days from the date of shipment

or within 15 days from the date of expiry of export licence, failing which their export will be treated as Nil, and action will be taken accordingly, in terms of Para 33 of Section I of Export Policy, 1990—93.

(ii) **BY APEDA :** As soon as the ceiling is exhausted, APEDA will report to the Ministry of Commerce, EP (Agri. II) Section.

(iii) **APEDA** shall furnish a monthly statement indicating the full details, such as, name of the exporter, the quantity allowed, f.o.b. value and destination to the Ministry of Commerce, EP (Agri. II) Section with a copy to the Director of Statistics of this office.

6. This Public Notice is issued in Public interest.

Sd/-

D.R. MEHTA, Chief Controller of Imports
& Exports

